संख्या– / XXVII(5)/स्टाम्प/2005

प्रेषक,

एल0एम0पन्त,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

महानिरीक्षक,निबन्धन,
उत्तरांचल,देहरादून।

वित्त अनुभाग–5 देहरादून::दिनांक:२६ फरवरी,2005

विषयः–उप–निबन्धक कार्यालय,हल्द्वानी के भवन के जीर्णोधार एवं कम्प्यूटरीकरण के लिये स्वीकृत आगणन के सापेक्ष द्वितीय किश्त के रूप में अवशेष धनराशि अवमुक्त किये जाने के सम्बन्ध में ।

महोदय,

उपर्युक्त विषय अपने पत्र संख्या–3551/म0नि0नि0/2004–2005, दिनांक 19–02–2005 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें,जिसमें उप–निबन्धक कार्यालय,हल्द्वानी के भवन के जीर्णोधार एवं कम्प्यूटरीकरण हेतु प्रथम किश्त के रूप में अवमुक्त धनराशि की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का उल्लेख करते हुए द्वितीय किश्त के रूप में कुल अवशेष धनराशि रू0 28.30 लाख अवमुक्त किये जाने का अनुरोध किया गया है।

2– इस संबंध में शासन के सन्दर्भगत पत्र दिनांक 26–03–2004 में दिये गये दिशा–निर्देशों के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि उप–निबन्धक कार्यालय,हल्द्वानी के भवन के जीर्णोधार एवं कम्प्यूटरीकरण हेतु कुल स्वीकृत आगणन रूपये 38.30 लाख के सापेक्ष प्रथम किश्त में अवमुक्त की गयी धनराशि रू0 10.00 लाख के उपरान्त अवशेष धनराशि रू0 28.30 लाख (कुल रूपये अट्ठाइस लाख तीस हजार मात्र) आपके निर्वतन पर अवमुक्त करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

3– शासन की इस स्वीकृति के क्रम में मुझे यह भी कहने का निदेश हुआ है कि सन्दर्भगत निर्माण कार्य समय से पूर्ण करा लिया जायेगा तथा स्वीकृत लागत में कोई वृद्धि नहीं की जायेगी। इसका व्यय–वहन चालू वित्तीय वर्ष 2004–2005 के आय–व्ययक के अनुदान संख्या–07 के लेखाशीर्षक, 2030–स्टाम्प पंजीकरण,03–पंजीकरण,001–निदेशन एवं प्रशासन,04–जिला व्यय,24–वृहद निर्माण कार्य से किया जायेगा।

भवदीय,

(एल0एम0पन्त)
अपर सचिव।

संख्या–72(1)/ XXVII(5)/स्टाम्प/2005,तद्दिनांक।

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– महालेखाकार, उत्तरांचल, देहरादून।
2– तकनीकी निदेशक,एन0आई0सी0,उत्तरांचल एकक सचिवालय परिसर,देहरादून।
3– सहायक महानिरीक्षक निबन्धन,नैनीताल।
4– वरिष्ठ कोषाधिकारी,नैनीताल।
5– परियोजना प्रबन्धक,उ0प्र0राजकीय निर्माण निगम लि0हल्द्वानी।
6– गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(एस0एस0वल्दिया)
अनु सचिव।